SNSRKS, College

Lecture no 40

Topic: Population education

Subject : Home science

B.A.Part3(Hons)Paper5

Class conducted by:

Dr.Bandana kumari

(Guest lecturer)

Dept.of home science

S.N.S.R.K.S.College

जनसंख्या शिक्षा -अर्थ एवं परिभाषा –

सन 1970 के पश्चात जनसंख्या शिक्षा के बारे में चिंतन विशेष रूप से किया गया हैं अमेरिका में कोलम्बिया विश्वविद्यालय के प्रो स्लोन आर बेलैंड को इसके विकास के बारे में श्रेय दिया जाना चाहिए। इस दिशा में उनोन्हे विशेष कार्य किया है ।जनसंख्या शिक्षा शब्द से ही मालूम होता है कि वह शिक्षा है जो जनसंख्या से सम्बंधित हैं । परंतु जनसख्या शिक्षा स्वंय में ही हो सकती क्योकि यह शिक्षा कुछ और ही महत्वपूर्ण बातो की ओर ध्यान देती हैं ।

जनसंख्या शिक्षा के उद्देश्य -

1. जनसँख्या वृद्धि की गति से परिचय करना

2. जनसँख्या वृद्धि के प्रभावों की जानकारी देना ।

3. जनसँख्या वृद्धि और विकास की गति के बीच सम्बन्ध स्थापित करना ।

4. परिवार नियोजन कार्यक्रमो से सम्बंधित स्थापित करना ।

5. जीवन स्तर को ऊँचा उठाना ।

6. उत्पादक क्षमता से सम्बन्ध स्थापित करना।

7. मानवीय मूल्यों का विकास करना ।

8. जीवन मे गुणात्मक विकास करना ।

9. परिवारिक जीवन को सुखी बनाना ।

10. जनसँख्या शिक्षा की प्रति चेतना जाग्रत करना ।

7. जनसँख्या एवं पर्यावरण से सम्बंध स्थापित करना ।

जनसंख्या शिक्षा की अवश्यकता एवं महत्व

भारतवर्ष में जनसंख्या वृद्धि तेजी से हो रही है, जिसके कारण देश के सीमित संसाधन उसकी आवश्यकताओं की पूरा नही कर पा रहा है। इससे लोगो कर जीवन स्तर में भी गिरावट आ रही है। बड़ी हुई जनसंख्या हेतु खाद्यान एवं जीवनोपयोगी वस्तुओं की पूर्ति के लिए प्राकृतिक संसाधनों का दोहन अधिक हो रहा है। जिससे परिस्थितियों परिवर्तन भी दिखाई दे रहा है।

पर्यावरण प्रदूषण,भूमि का क्षरण,गरीबी,अशिक्षा,भ्रष्टाचार तथा अपराध सभी का कारण जनसंख्या वृद्धि हैं।

भूखा व्यक्ति दूसरे की रोटी अवश्य ही छिनेगा, यह स्वभाविक है। आज देश की जो स्थिति है उसकी मुख्य जड़ है जनसंख्या में तेजी से वृद्धि।

जनसंख्या शिक्षा के निम्न बिंदु

1-: जनसंख्या विस्फोट को रोकने के लिए-

भारतवर्ष में जनसंख्या की गति तेजी से बढ़ रही है जिसके कारण

विकास योजनाओ का लाभ सभी लोगो तक नही पहुच पा रही हैं। जनतांत्रिक प्रणाली वाले भारतवर्ष में कठोर कानून नही लाये जा सकते हैं। एवत्व शिक्षा ही उसका सर्वोत्तम साधन है।

2-: परिवार के जीवन स्तर उठाने के लिए -

यदि परिवार में एक या दो बच्चे हैं तो उसकी देखभाल अच्छी तरह से हो जाती है। मातम -पिता का आर्थिक स्तर ठीक रहता है। लेकिन यदि कई बच्चे हैं तो केवल उनके भरण-पोषण में ही आय का अधिकतम भाग लग जाता हैं।

3-: प्रदूषण को रोकने के लिये -:

बढ़ी हुई जनसंख्या का पेट भरने के लिये अधिक अन्न की आवश्यकता होती हैं । शरीर ढकने के लिए अधिक कपड़े की आवश्यकता होती हैं। अतः सीमित भूमि में अधिक रासायनिक खाद,दवाइयों,उत्पादन बढ़ाने के लिए डाली जा रही है जिससे भूमिका क्षरण हो रही है। फैक्ट्रीयो की संख्या में वृद्धि हो रही हैं जिससे कपड़ो की आपूर्ति हो सके । परिणामतः प्रदूषण फैल रहा है। आवागमन के लिए अधिक वाहनों का प्रयोग हो रहा हैं जिससे वायु प्रदूषण के साथ ध्वनि प्रदूषण भो बढ़ रहा हैं